Concept of Indifference Curve.

V.V.I
*

1. Qus. - तटस्थता रेखा की धारणा का वर्णन करें।

Ans. - प्रो० मार्शल ने उपयोगिता को मापनीय मानते हुए इसी के माध्यम से उपभोक्ता के व्यवहार की व्याख्या प्रस्तुत की है आगे चलकर अर्थशास्त्रीयों ने कहा कि उपयोगिता मापनीय नहीं है अतः उपयोगिता के माध्यम से उपभोक्ता के व्यवहार की सही व्याख्या नहीं हो सकती। अतः विकल्प के रूप में तटस्थता-वक्र अथवा रेखा अथवा उदासीनता-वक्र अथवा रेखा विश्लेषण का प्रारम्भ किया गया। सर्वप्रथम 1881 ई० में प्रो० एजवर्थ (Edgeworth) ने अपनी पुस्तक 'Mathematical Psychics' में प्रतियोगी तथा पूरक वस्तुओं के सम्बन्ध में इस विश्लेषण का प्रारम्भ किया। इसके बाद पैरेटो (Pareto) ने, फिर रूसी अर्थशास्त्री स्लस्की (Slutsky), प्रो० जे० आर० हिक्स (Hicks), एलेन (R.G. D. Allen) इत्यादि अर्थशास्त्रीयों द्वारा यह धारणा विकसित हुई। वस्तुतः तटस्थता-वक्र विश्लेषण उपयोगिता की धारणा का बिल्कुल परित्याग तो नहीं करता लेकिन यह उपयोगिता को मापनीय न मानकर केवल तुलनीय मानता है।

इस विश्लेषण के अनुसार, एक उपभोक्ता विवेकशील होता है। इससे तात्पर्य यही है कि वह दी हुई स्थितियों के अन्तर्गत अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करना चाहता है। दूसरी बात है कि वस्तुएँ एक रूप और विभाज्य होती है। तीसरी बात है कि एक उपभोक्ता किसी वस्तु की कम मात्रा की तुलना में अधिक मात्रा पसन्द करता है। यदि किसी अन्य वस्तु के उपभोग में कोई कमी न हो। चौथी बात है कि वस्तुओं के एक संयोग की उपयोगिता दूसरे संयोग की अपेक्षा अधिक, कम या समान होती है और उपभोक्ता विभिन्न संयोगों को प्राथमिकता के अनुसार एक क्रम में रख सकता।

इस प्रकार, तटस्थता वक्र विश्लेषण के अनुसार एक उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद अधिमान क्रम (scale of Preference) के आधार पर करता है। यहाँ उपयोगिता शब्द के बदले अधिमान क्रम का प्रयोग हुआ है। इस अधिमान क्रम में वस्तुओं के अनेक संयोग होते हैं। कुछ संयोग तो एक-दूसरे की अपेक्षा अधिक या कम संतुष्टि प्रदान करते हैं। लेकिन बहुत से संयोग ऐसे भी होते हैं जो बिल्कुल समान संतुष्टि प्रदान करते हैं। इस प्रकार एक तटस्थता या उदासीनता रेखा दो वस्तुओं के ऐसे सभी संयोगों को दिखलाती है जो उपभोक्ता को समान संतुष्टि देते हैं। चूँकि सभी संयोग समान संतुष्टिदायक है। इसलिए उपभोक्ता इस सभी संयोगों के बीच उदासीन या तटस्थ रहता है और इस रेखा का नाम उदासीनता या तटस्थता रेखा दिया जाता है। प्रो० इस्थम (J. K. Easthem) ने इसकी परिभाषा करते हुए कहा है कि —

It is the locus of the Points representing Pairs of quantities between which the individual is indifferent. So it is termed an indifference curve.

दूसरे शब्दों में, यह मात्राओं के जोड़े या संयोगों को दिखलाने वाले बिन्दुओं का मार्ग होता है। जिनके बीच एक उपभोक्ता या तटस्थ होता है और इसलिए इसे उदासीनता या तटस्थता रेखा कहते है। प्रो० बोल्डिंग ( ) ने कहा है कि समान अनुराग दिखलाने वाली रेखाएँ उदासीनता रेखा कहलाती है। क्योंकि वे वस्तुओं की ऐसे संयोगों को प्रदर्शित करती है

एक तटस्थता रेखा पर दो वस्तुओं के सभी संयोग समान संतुष्टि प्रदान करते हैं। इसलिए इस रेखा को सम उपयोगिता रेखा (Iso Utility Curve) भी कहा जाता है इसके अतिरिक्त चूँकि इस विश्लेषण में उपयोगिता को मापनीय न मानकर तुलनीय माना गया है। इसलिए इस विश्लेषण को Preference approach भी कहा जाता है। कुछ अर्थशास्त्री इसे प्रतिस्थापन विश्लेषण (Substitution analysis) भी कहते हैं।

उदासीनता रेखा खींचने के लिए उदासीनता अनुसूची की आवश्यकता होती है। यह अनुसूची दो वस्तुओं के उन सभी संयोगों को प्रदर्शित करती है, जिससे किसी व्यक्ति विशेष को समान संतुष्टि प्राप्त हो। जैसे मान लिया जाए कि एक उपभोक्ता सेव और आम इन दो वस्तुओं का उपभोग करता है। इन दोनों वस्तुओं के विभिन्न संयोग नीचे की तालिका में प्रस्तुत किये गये हैं।

सेव		आम
4	—	25
5	—	20
6	—	16
7	—	13
8	—	11

इन सभी संयोगों से उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्राप्त होती है अतः यह इनके बीच उदासीन या तटस्थ होगा। अब यदि इन्हीं सभी संयोगों को एक रेखा द्वारा प्रदर्शित किया जाए तो वही तटस्थ रेखा कहलाएगी। इस प्रकार, एक तटस्थता रेखा दो अक्षों के आधार पर खींची जाती है। इन दोनों अक्षों पर दो वस्तुओं को रखा जाता है। वस्तुएँ ऐसी होती है, जो आपस में प्रतिस्थापन की जा सके। कभी-कभी एक अक्ष

पर किसी एक वस्तु को और दूसरे अक्ष पर मुद्रा को रखा जाता है। क्योंकि एक उपभोक्ता केवल दो ही वस्तुओं का उपभोग नहीं करता। मुद्रा सामान्य क्रय-शक्ति है जो अन्य सभी वस्तुओं का प्रतिनिधित्व करती है नीचे के चित्र में एक तटस्थता रेखा खींची गई है।

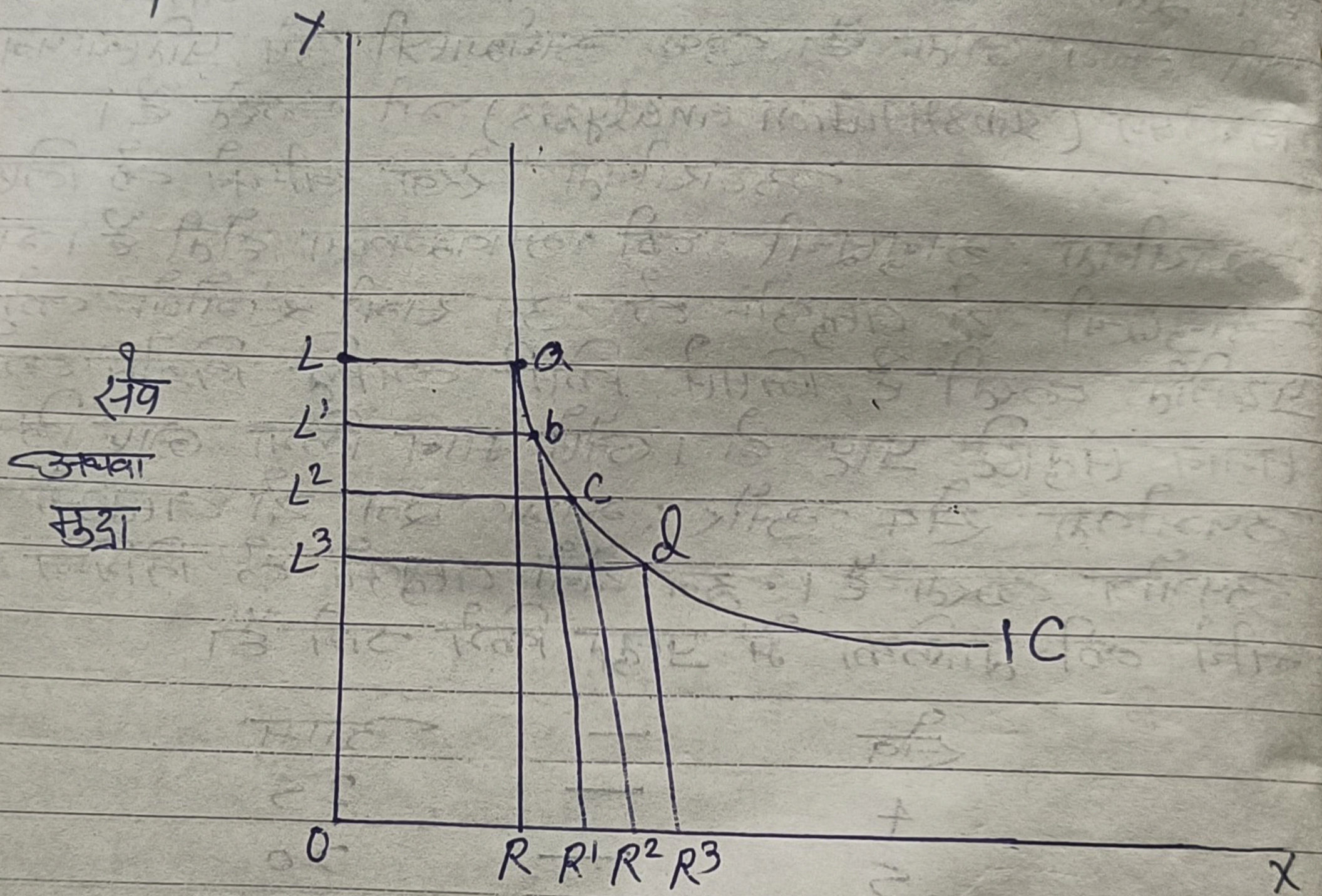

OX रेखा पर आम और OY रेखा पर सेव अथवा इसके बदले मुद्रा (जो आम को छोड़कर अन्य सभी वस्तुओं का प्रतिनिधित्व करती है) को रखा गया है IC एक तटस्थता रेखा है इस रेखा पर जितनी भी बिन्दुएँ हैं, सभी दोनों वस्तुओं के अलग-अलग संयोगों को प्रदर्शित करती है जैसे- यदि उपभोक्ता a बिन्दु पर है तो आम की OR और सेव की OL संयोग, b बिन्दु पर क्रमशः R^1+L^1 संयोग, c बिन्दु पर R^2+L^2 संयोग और d बिन्दु पर R^3+L^3 संयोग प्राप्त हो रहा है। ये सभी संयोग उपभोक्ता के लिए समान संतुष्टिदायक है अतः वह

इनके बीच उदासीन या तटस्थ होगा। क्योंकि कोई भी संयोग कमों न मिले, हर हालत में संतुष्टि समान रहेगी। चित्र में स्पष्ट है कि इन तटस्थता रेखा पर हम जैसे-जैसे ऊपर से नीचे की ओर आते हैं आम की मात्रा बढ़ रही है और सेव की मात्रा कम हो रही है। सेव की मात्रा में कमी होने से उपयोगिता में जो क्षति होती है उसकी पूर्ति आम की मात्रा में वृद्धि होने से हो जाती है। इसलिए उपभोक्ता इस रेखा पर पड़ने वाले सभी संयोगों के बीच तटस्थ होगा।

जिस चित्र में, एक से अधिक तटस्थता रेखायें हों उसे तटस्थता मानचित्र (Indifference map) कहा जाता है। इस तटस्थता मानचित्र में किसी एक रेखा पर पड़नेवाले सभी संयोग तो समान संतुष्टिदायक होते हैं, किंतु भिन्न-भिन्न रेखाओं पर संतुष्टि की सतह में अन्तर होता है। नीचे के चित्र में तटस्थता मानचित्र खींचा गया है।